संपादकीय

विफलता के बाद

अमेरिका, तालिबान और अफगान हुकूमत के बीच संभावित बातचीत के अचानक रद्द होने से अमेरिका या पाकिस्तान को भले ही नुकसान हुआ हो, लेकिन इसमें अफगानिस्तान का कोई नुकसान नहीं है और भारत को भी इससे कुछ राहत मिली है। काबुल में गुरुवार को हुए एक तालिबानी हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने वार्ता रद्द करने का फैसला किया। इस हमले में एक अमेरिकी सैनिक समेत 12 लोग मारे गए थे। बातचीत के सिलसिले में एक त्रिपक्षीय गुप्त बैठक बीते रविवार को कैंप डेविड स्थित अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास पर होने वाली थी, जो नहीं हुई।

वार्ता रद्द करने को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि तालिबान ने गलती कर दी, हम अफगानिस्तान से निकलना चाहते थे, लेकिन अब उचित समय पर ही जाएंगे। भारत और अफगानिस्तान समेत इस क्षेत्र के कई देशों का शुरू से मानना रहा है कि तालिबान के साथ बातचीत करना उचित नहीं है। भारत की आशंका यह है कि पाकिस्तान, तालिबान और अमेरिका के बीच आपसी समझदारी से इस क्षेत्र में फिर अशांति आ सकती है। यह भी संभव है कि अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ते ही एक बार फिर गृहयुद्ध भड़क जाए और पाकिस्तान अपने जिहादियों को पूरी तरह कश्मीर में केंद्रित कर दे। अफगान सरकार ने भी कहा था कि यह समझौता जल्दबाजी में हो रहा है।राष्ट्रपति अशरफ गनी के अनुसार बेगुनाह लोगों की हत्या करने वाले समूह से शांति समझौता करना निरर्थक है। अमेरिका और तालिबान के बीच अगर शांति वार्ता सफल होती तो इससे अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार की हैसियत नाम की ही रह जाती। अमेरिका वहां तैनात अपने सैनिकों को वापस बुला लेता जिससे तालिबान की जड़ें और मजबूत होतीं। अमेरिका के अलावा वहां तालिबान को रोकने वाली कोई ताकत मौजूद नहीं है। दूसरी तरफ पाकिस्तान उन्हें हर तरह की मदद देने को तैयार बैठा है। अगर वहां तालिबान की ताकत मजबूत होती तो इससे भारतीय परियोजनाओं को बहुत नुकसान होता।अफगानिस्तान में भारत अरबों डॉलर की लागत वाले कई मेगा प्रॉजेक्ट्स पूरे कर चुका है और कुछ पर अभी काम चल रहा है। भारत ने ईरान के चाबहार पोर्ट के विकास में भारी निवेश किया है। यदि अफगानिस्तान में तालिबान सत्तासीन होता है तो हमारी यह परियोजना भी खतरे में पड़ सकती है क्योंकि इससे अफगानिस्तान के रास्ते अन्य देशों में हमारी पहुंच बाधित होगी। इसी 28 सितंबर को अफगानिस्तान में राष्ट्रपति का चुनाव होना है जो निश्चय ही बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। जाहिर है, बातचीत रद्द होने के बाद वहां मौजूद अमेरिकी और नाटो सेना को बेहद सतर्क रहना होगा क्योंकि तालिबान ने वार्ता के टूटने के बाद अमेरिका को धमकी दी है कि वह अब ज्यादा से ज्यादा अमेरिकियों को अपना निशाना बनाएगा। भारत को भी बहुत चौकन्ना रहने की जरूरत है।

वैश्विक मंदी का खतरा, 20 डॉलर का हो सकता है कच्चा तेल : राउल पैल, रियल विजन

नई दिल्ली। कई आर्थिक आंकड़े ग्लोबल इकॉनमी के लिए मुश्किल वक्त का इशारा कर रहे हैं। रियल विजन ग्रुप के सीईओ राउल पैल ने कह रहे हैं कि वैश्विक मंदी आने वाली है और 2008 की तुलना में कहीं बड़ी गिरावट आ सकती है...?

मेरा काम अनुमान लगाना है। मैं पक्के तौर पर किसी बात की गारंटी नहीं दे सकता। कई चीजों को देखकर मुझे लग रहा है कि आने वाला वक्त चुनौतीपूर्ण हो सकता है। पहले अमेरिका और ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ की बात करते हैं। आज चारों ओर इकनॉमिक ग्रोथ कम हो रही है। कई देश पहले ही मंदी में जा चुके हैं। अमेरिका भी मंदी की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा है। मेरा मानना है कि फेडरल रिजर्व ने एक साल पहले ब्याज दरों में जो कटौती शुरू की थी, उसकी वजह से अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। इसके साथ व्यापार युद्ध और चीन के आर्थिक सुस्ती में फंसने से ग्लोबल इकनॉमी की परेशानियां और बड़ गई हैं। भारत की इकनॉमिक ग्रोथ में भी हम गिरावट देख ही चुके हैं।

अब सवाल यह है कि क्या हालात और मुश्किल और पेचीदा हो सकते हैं? मुझे इसकी आशंका दिख रही है। बॉन्ड मार्केट से इसके संकेत दिख रहे हैं। यूरोप और खासतौर पर अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में तेजी से गिरावट आ रही है। यह मंदी के आने का संकेत है।

कौन से ऐसे संकेत हैं, जिनसे मंदी के आने की जल्द आने की आशंका दिख रही है?

मुझे कुछ समय से इसके संकेत दिख रहे हैं। मार्च 2018 में चीन की आर्थिक ग्रोथ में नाटकीय ढंग से गिरावट आई थी। उसके बाद व्यापार युद्ध शुरू हुआ और फिर अमेरिका में सुस्ती आने लगी। इधर, बॉन्ड मार्केट में नाटकीय ढंग से गिरावट शुरू हुई है। हमने इस साइकल के अगले हिस्से यानी ब्याज दरों में कटौती में पहुंच गए हैं। अमेरिका में अभी तक ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती हुई है, लेकिन बॉन्ड मार्केट इसमें कहीं अधिक गिरावट का अंदाजा लगा रहा है। मुझे लग रहा है कि फेडरल रिजर्व हालात की गंभीरता को नहीं समझ रहा है और वह अंडरपरफॉर्म कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो डॉलर और बॉन्ड मार्केट प्रभावित होंगे। शायद बॉन्ड यील्ड इनवर्जन और बढ़े।

मुझे वैश्विक मंदी आती हुई दिख रही है और ऐसे फैक्टर्स नहीं दिख रहे, जो इसे रोक सकें। दुनियाभर में कैपिटल एक्सपेंडिचर में गिरावट आ रही है। जर्मनी मंदी में है और चीन में आर्थिक सुस्ती आ चुकी है। मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल ट्रेड में हर जगह गिरावट दिख रही है। हर बड़े देश के ग्लोबल एक्सपोर्ट में गिरावट आ रही है। कई ऐसे इंडिकेटर्स हैं, जो आने वाले वक्त के चुनौतीपूर्ण रहने का इशारा कर रहे हैं।

आपका मानना है कि डॉलर इंडेक्स आने वाले वक्त में इमर्जिंग मार्केट्स के लिए रिस्क का इशारा कर रहा है...

आमतौर पर 80 प्रतिशत इमर्जिंग मार्केट्स का प्रदर्शन डॉलर में मजबूती या कमजोरी से निर्धारित होता है। जब अमेरिकी डॉलर में मजबूती आती है, तब इमर्जिंग मार्केट्स का प्रदर्शन खराब रहता है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसा ही हुआ क्योंकि तब डॉलर की सप्लाई घट गई थी। जब डॉलर कमजोर होता है, तब इमर्जिंग मार्केट्स अच्छा परफॉर्म करते हैं। इमर्जिंग मार्केट्स में भी अलग-अलग देशों के अलग साइकल और अलग खूबियां हैं।

हाजिर मांग से कच्चे तेल का वायदा भाव चढ़ा

नई दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से शुकवार को कच्चे तेल का वायदा भाव 0.18 प्रतिशत बढ़कर 3,906 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का सितंबर अनुबंध सात रुपये या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,906 रुपये प्रति बैरल रहा। इसमें 26,861 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि यहां बाजारों में मजबूत रुख की वजह से मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। हालांकि, वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 0.02 प्रतिशत के नुकसान से 55.08 डॉलर प्रति बैरल ओर अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.20 प्रतिशत के नुकसान से 60.26 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

सिर्फ 1 रुपए में घर बैठे खरीदें सोना, मिलेगा तगड़ा फायदा!

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में लगातार उछाला बढ़ता चला जा रहा है। कारण यह है कि लोग इसमें खूब निवेश कर रहे है। जानकारों का कहना है कि दिवासी तक सोना और महंगा हो जाएगा। दरअसल मंदी की आहट के बीच अभी सोना निवेश के लिए सबसे बेहतर ऑप्शन है। हालांकि लोग अब ज्वैलरी खरीदने से बच रहे हैं। इसके बदले तेजी से अच्छा मुनाफा कमाने के लिए लोगों का गोल्ड श्वङ्गस्त्र की तरफ झुकाव बढ़ रहा है।

जानकारों का मानना हैं कि आने वाले दिनों में गोल्ड श्वङ्गस्त्र बेहतर रिटर्न देने वाला निवेश साबित होगा। इसलिए अगर आप भी गोल्ड श्वङ्गस्त्र में निवेश के इच्छुक हैं और पेपरवर्क से बचना चाहते हैं तो मोबाइल ऐप के जरिये भी निवेश कर सकते हैं। कई तरह के मोबाइल ऐप आ गए हैं, जिनके जरिए आसानी से गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल ने भी अपने PI ऐप Google Pay के जरिए 99.99 फीसदी शुद्ध 24 कैरेट गोल्ड खरीदने का मौका दे रहा है। इसमें आप 1 रुपये तक का भी गोल्ड खरीद सकते हैं।

गोल्ड ETF में पैसा लगाने के लिए Google Pay ऐप ओपन करने के बाद आपको Gold Vault नजर आएगा। जिसपर क्लिक करते ही बाय, सेल और डिलीवरी का ऑप्शन आएगा। बाय पर क्लिक करने पर आपको द्वद्द में गोल्ड का भाव नजर आएगा। इस प्राइस में टैक्स भी शामिल है। आप कम से कम 1 रुपए का गोल्ड खरीद सकते हैं।

साउथ अफ्रीका के भारत दौरे का पूरा कार्यक्रम

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के भारत दौरे की आधिकारिक शुरुआत 15 सितंबर से हो रही है। टीम इस दौरे पर तीन टी20 इंटरनैशनल और तीन टेस्ट मैच खेलेगी।

इस दौरे पर वह कोई वनडे इंटरनैशनल मैच नहीं खेलेगी। अगले दो साल में लगातार दो वर्ल्ड टी20 का आयोजन होना है ऐसे में टीमें अब इस प्रारूप पर अधिक ध्यान देती नजर आ रही हैं। इन सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा भी कर दी गई है।

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम- विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उपकप्तान), केएल राहुल, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, क्रुणाल पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर,राहुल चाहर, खलील अहमद, दीपक चाहर, नवदीप सैनी

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम- विराट कोहली (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (उपकप्तान), हनुमा विहारी, ऋषभ पंत ,ऋद्धिमान साहा , रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जमप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, शुभमन गिल।

टीम इंडिया के लिए टेस्ट में ओपनिंग की समस्या को सुलझाएंगे रोहित शर्मा? बंधी उम्मीद

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का ऐलान किया गया। चयनकर्ताओं ने फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल को बाहर कर दिया और रोहित शर्मा को बतौर ओपनर नई भूमिका देने का फैसला किया। राहुल ने अपनी पिछली 12 पारियों में एक बार भी 50 का स्कोर नहीं बनाया था। हाल ही में वेस्ट इंडीज के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी वह बतौर ओपनर अपनी छाप नहीं छोड़ पाए थे। भारत वे दोनों मैच जीतकर आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप में टॉप पर कायम है। पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली उन लोगों में शुमार हैं जिन्होंने रोहित से टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत करवाने की पैरवी की थी। रोहित 50 ओवर वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने उस टूर्नमेंट में पांच शतक लगाए थे। अब ऐसा लग रहा है कि दो अक्टूबर से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में रोहित अब मयंक अग्रवाल के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा करने के मौके पर कहा, हम रोहित शर्मा को टेस्ट में पारी की शुरुआत करने का मौका देना चाहते हैं। रोहित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका बल्लेबाजी औसत करीब 40 का है। 32 वर्षीय रोहित सीमित ओवरों के अपने खेल को टेस्ट में दोहराने में असफल रहे हैं।

दो करोड़ रुपए तक की कमाई वाली कंपनियों को मिलेगी जीएसटी छूट!

नई दिल्ली । जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) परिषद दो करोड़ रुपये से कम कमाई करने वाले छोटे व्यवसायों को सालाना रिटर्न दाखिल करने से छूट देने के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तैयार है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि रिटर्न दाखिल करने की तिथि तीन बार बढ़ाए जाने के बावजूद अभी तक संतोषजनक संख्या में रिटर्न दाखिल नहीं हुए हैं।

एक अधिकारी ने कहा, अंतिम तिथि बढ़ाने के बावजूद 25-27 फीसदी ही रिटर्न दाखिल हुआ है। जीएसटी परिषद इस मुद्दे पर 20 सितंबर को होने वाली बैठक में चर्चा करेगी। उन्होंने आगे कहा कि परिषद यह तय करेगी कि अनिवार्य रिटर्न फाइलिंग आवश्यकता को केवल वित्त वर्ष 2017-18 के लिए या बाद के वित्तीय वर्षों के लिए भी निर्लंबित किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस बार परिषद द्वारा विभिन्न संरचनात्मक मुद्दों पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा, एक विचार यह भी है कि सरकार को यह देखने के लिए 30 नवंबर तक इंतजार करना चाहिए कि रिटर्न फाइलिंग की संख्या बढ़ती है या नहीं।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, कुल 1.39 करोड़ करदाता में से करीब 85 फीसदी का सालाना कारोबार 2 करोड़ रुपये या उससे कम है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे करदाताओं को सालाना रिटर्न दाखिल करने से राहत देने के प्रस्तावित कदम से अनुपालन बोझ कम होगा और कर अधिकारियों को बड़े करदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

धुव्र एडवाइजर्स के पार्टनर (इनडायरेक्ट टैक्स प्रैक्टिस) अमित भागवत ने कहा, शायद पुनर्विचार की आवश्यकता है। एक विचार है कि छोटे करदाताओं पर अनुपालन का बोझ क्यों डाला जाए, क्योंकि प्रणाली भी बहुत मजबूत नहीं है।

डेलोइट इंडिया के पार्टनर एम. एस. मनी का कहना है कि जीएसटी के क्रियान्वयन के दौरान ज्यादा छोटे व्यवसायियों और कारोबारियों को जीएसटी के अनुपालन में परेशानी का सामना करना पड़ा था। अगर उन्हें राहत दी जाती है तो सूक्ष्य, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बड़ी राहत मिलेगी।

आज का राशिफल

मेषः- बेचैनी रह सकती है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। दुष्टजनों से बचकर रहें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

वृषः- किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। भाग्य का साथ रहेगा।

मिथुनः- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्कः- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नया कार्य करने का मन बनेगा। निवेश शुभ रहेगा।

सिंहः- नई योजना बनेगी। किसी प्रभावशाली का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी।

कन्याः- शत्रुभय बना रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं। कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी।

तुलाः- धनहानि की आशंका है। वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

वृश्चिकः- मानसिक बेचैनी रहेगी। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी। विवाद का हल हो सकता है। जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा।

धनुः- लेन-देन में सावधानी रखें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मकरः- प्रेम-प्रसंग का प्रस्ताव मिल सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे।

कुंभः- यात्रा में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है। भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। लापरवाही न करें। किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है।

मीनः- विवाद को बढ़ावा देने से बचें। जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट की आशंका है। प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी। कारोबार अच्छा चलेगा।

स्वादिष्ट भटूरे बनाने की रेसिपी...

इस सप्ताह आप छोले भटूरे बना सकते हैं. इनका स्वाद लाजवाब होता है. छोले तो आसानी से बन जाते हैं लेकिन भटूरे बनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है. तो आइए जानते हैं कैसे बना सकते हैं आप इंस्टेंट भटूरे

सामग्रीः

मैदा- 250 ग्राम, सूजी- 50 ग्राम, तेल- 2 टेबल स्पून, बेकिंग सोडा- द छोटी चम्मच से कम, आलू- 3 (उबले और छिले हुए), दही- 1/2 कप, नमक- स्वादानुसार, तेल

विधि

-भटूरे को सॉफ्ट बनाने के लिए आलू को एक बड़े में कद्दूकस कर लें.

1.परात में छलनी से मैदा छान लें और इसमें सूजी, दही, बेकिंग सोडा, नमक और 1 से 2 चम्मच आयल डालकर अच्छे से मिलाते हुए इसमें कद्दूकस किए हुए आलू भी मिला लें और मुलायम और लोचदार आटा गूंथ लें. हथेली पर हल्का सा तेल लगाकर इस आटे को मसलते हुए थोड़ा चिकना कर लें और 20-30 मिनट तक सेट होने के लिए रख दें.

2.अब इस आटे की लोइयां बनाकर इसपर आटे की परथन लगाते हुए बेल लें. साथ ही में एक कढ़ाई में घी भी चढ़ा दें.

3.जब घी गर्म हो जाए तो इसमें बेले हुए भटूरे एक एक कर डालती जाएं और इसे अच्छे से टलती जाएं. लीजिए तैयार हैं आपके गर्मागर्म इंस्टेंट भटूरे.

शब्द सामर्थ्य- 85

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भग्न 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

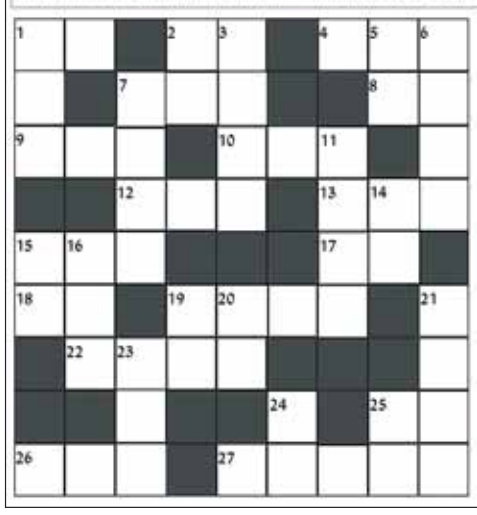

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	जां	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू- 85

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3